This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **4267**

Unique Paper Code : **213357** **C**

Name of the Paper : **SANSKRIT LANGUAGE—Paper–III**

Name of the Course : **B.A. (Programme) संस्कृतभाषानैपुण्य, छन्द एवं अलंकार**
(Mastering Sanskrit Language, Prosody and Rhetoric)
(Admission of 2011 and onwards)

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सन्धि कीजिए : 3×2=6

Join any THREE words of the following :

महा + ऋषिः, तद् + लीनः, चित् + आनन्दः, तत्र + एव, नर + ईशः,
जगत् + ईशः, शिवः + वन्द्यः, तद् + टीका।

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2×2=4

Disjoin any TWO of the following words :

हिमालयः, देवेन्द्रः, कोऽपि, उभावपि।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का समास कीजिए :

Make compounds in any THREE of the following words : 2×3=6

रामश्च लक्ष्मणश्च, पीतम् अम्बरं यस्य सः, हरिणा सह, पञ्चानां वटानां समाहारः, नीलं च तदुत्पलम्, अविद्यमानः पुत्रः यस्य सः।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का समास विग्रह कीजिए : 2×2=4

Dissolve any TWO of the following :

कृष्णाश्रितः, त्रिलोकी, अब्राह्मणः, लम्बोदरः।

5. किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए : 20

Write an essay in Sanskrit on any ONE of the topics given below :

(क) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्।

(ख) भारतीयसंस्कृतिः।

(ग) कालिदासः।

(घ) सत्सङ्गतिः।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिये : 2×4=8

Define and illustrate any TWO of the following metres :

अनुष्टुप्, वंशस्थ, मालिनी।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये : 2×2=4

Scan and name the metres in any TWO of the following :

(क) येषां न विद्या न तपो न दानम्

ज्ञानम् न शीलम् न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता

मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(ख) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

(ग) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी

दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।

भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं

शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्॥

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण बताइए : 2×4=8

Define with example any TWO of the following figures of speech :

अनुप्रास, रूपक, श्लेष।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए : 2×2=4

Explain and name the figure of speech in any TWO of the following verses :

(1) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनां

आविष्कृतोऽरुणपुरस्सर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद् व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु॥

(2) ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।

गुणागुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव॥

(3) नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपङ्कजम्।

मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभिं सुमनोभरैः॥

(4) बृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति।

सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या. नगापगाः॥

10. निम्नलिखित अपठित गद्यांशों में से किसी **एक** का हिन्दी **अथवा** संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए : 6

Translate any ONE of the following unseen passages into Hindi *or* English :

कस्मिंश्चिद् देशे महाचतुरको नाम शृगालः आसीत्। तेन कदाचित् अरण्ये स्वयंमृतः गजः प्राप्तः। सः तस्य परितः भ्रमति, परन्तु तस्य कठिनां त्वचं भेत्तुं न शक्नोति। अथ अत्र अवसरे इतस्ततः विचरन् कश्चित् सिंहः तत्रैव प्रदेशे आगच्छत्। अथ सिंहम् आगतं दृष्ट्वा सः सविनयम् वदति–"स्वामिन्, अहं तव सेवकः, तवार्थे इमं गजं रक्षामि"। तं दृष्ट्वा सिंहः वदति–"भोः, नाहम् अन्येन हतं जीवं खादामि।"

अथवा

कस्मिंश्चिद् वने करालकेसरो नाम सिंहः वसति स्म। तस्य च धूसरको नाम शृगालः सदैव अनुयायी परिचारकः च अस्ति। अथ कदाचित् तस्य गजेन सह युध्यमानस्य शरीरे गुरुतराः प्रहाराः सञ्जाताः। येन एकम् अपि पदम् चलितुं न शक्नोति। तस्य अचलनात् च धूसरकः क्षुधापीडितः दौर्बल्यं गतः। अन्यस्मिन् दिवसे सः अवदत्—स्वामिन्, बुभुक्षया पीडितोऽहम्। पदमपि चलितुं न शक्नोमि। तत् कथं तव सेवां करोमि।

11. निम्नाङ्कित गद्यांश के आधार पर पूछे गये किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

Answer any FIVE questions on the basis of the passage given below :

कश्मीरप्रदेशे काचित् नदी प्रवहति स्म। नदीतीरे एकः सन्न्यासी स्वशिष्यैः सह वसति स्म। एकदा सन्न्यासी नद्याः अपरं तीरं गन्तुम् एकां नौकाम् आरूढवान्। सः नाविकं पृष्टवान्—अपि व्याकरणम् जानासि ? नाविकः प्रत्युत्तरत्—न इति। सन्न्यासी अकथयत्-तर्हि तव अर्धं जीवनम् नष्टम् इति मन्यस्व। तदैव काले नद्याम् आवर्तः आगतः। नाविकः जले तर्तुम् आरभत।

सः सन्यासिनम् पृष्टवान्—अपि तर्तुं जानासि ? सन्यासी उवाच—न इति। नाविकः अकथयत्—तर्हि तु तव सम्पूर्णं जीवनं नष्टमिति।

(क) नदी कुत्र प्रवहति स्म ?

(ख) नदीतीरे कः वसति स्म ?

(ग) सन्यासी नौकां किमर्थम् आरूढवान् ?

(घ) सन्यासी नाविकं किं पृष्टवान् ?

(ङ) नाविकः किं प्रत्युत्तरत् ?

(च) अन्ते नाविकः किम् अकथयत् ?